

Muzaffar Hussain Sahab. Umrao Trust

आसमा खानुन मौ एजाज अनसारी मेरी अम्मी का
प्रेम हमारे लड़का है और अम्मी तक कौमा मे है
एस मुझपर दुसरे शाद्व कफी मईने से
मेरी ॥ अम्मी का जो भी हवा का गरचा है
वै मुझपर दुसरे शाद्व से २ है हैं

हमारे पूरे घर वाले मुझपर दुसरे शाद्व
का शुक्रिया अदा करते हैं



मौ एजाज अनसारी

Ejay